माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय 2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3	0	0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

[redacted]

219-

5890974

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

☒	1	9	2	4	5	0	6	0	3

शब्दों में

☒	एक	नौ	दो	चार	पाँच	शून्य	छः	शून्य	तीन

[redacted]

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 24

ग :– परीक्षा का दिनांक 08 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 241101

H. S. 2019

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
08-03-19	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
एस.एल.बरैया (शिक्षक) शास.उ.मा.वि.उकवा परीक्षक क्र.–781305	S[illegible] Chouhan (Adh.) G.H.S.S.Budi Balaghat V. NO.: 781303

P.C. SAHU (V.A.)
G.H.S.S. Rajegaon
V.No.: 781336

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों [illegible] विष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त [illegible] अंकों में
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

[illegible] प्राप्तांक शब्दों में कुल प्राप्तांक अंकों में

2

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ = कु

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. (1) - उत्तर)

1) सड़क दुर्घटना

2) 1962 ई० में

3) प्राथमिक

4) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनो रूप से

5) राजस्थान

(प्रश्न क्र. (2) - उत्तर)

1) ग्रामीण वन सुरक्षा समीतियों

2) मध्य प्रदेश

3) बहादुरशाह ज़फर (द्वितीय)

4) प्रारूप समिति

5) कार्ल मार्क्स

B
S
E

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. (3) - उत्तर)

1) भारतीय रेलवे विश्व की चौथे (4th) स्थान की रेलप्रणाली है

2) सर्वोच्च न्यायालय

3) पार्षद

4) जीवन प्रत्याशा

5) 24 दिसम्बर

(प्रश्न क्र. (4) - उत्तर)

1) असत्य

2) असत्य

3) सत्य

4) सत्य

5) सत्य

प्रश्न क्र. (प्रश्न (5)- उत्तर)

'अ'		'ब'
1) आकाशवाणी	→	1948
2) स्वामी विवेकानंद	→	रामकृष्ण मिशन
3) चरण पादुका गोलीकांड	→	छतरपुर
4) परिवहन एवं संचार	→	तृतीयक क्षेत्र
5) सीमेण्ट का कारखाना	→	द्वितीयक क्षेत्र

B
S
E

(प्रश्न (6)- उत्तर)

मंगल पाण्डेय नामक बैरकपुर छावनी में पदस्त सैनिक था। 29 मार्च 1857 को उसने चर्बी लगे कारतूसों का प्रयोग करने से इनकार कर दिया एवं कुछ अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। 8 अप्रैल 1857 को उसे फांसी दे दी गई। यह क्रांति का तात्कालिक कारण बना।

प्रश्न क्र.

(प्रश्न (7) - उत्तर) (अथवा)

अधोसंरचना के प्रकार - अधोसंरचना को प्रमुख रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है, जो निम्न हैं -

1) आर्थिक अधोसंरचना - रेलवे, संचार, विद्युत आदि।
2) सामाजिक अधोसंरचना - स्वास्थ्य, शिक्षा आदि।

(प्रश्न - (8) - उत्तर)

लार्ड कर्जन ने शासन की फूट "फूट डालो, शासन करो" की नीति अपनाई। इसके नीति से कर्जन ने सन् 1905 में बंगाल विभाजन कर दिया। जो कि भारतीयों द्वारा विद्रोह का कारण बना।

(प्रश्न (9) - उत्तर) (अथवा)

बाढ़ नियंत्रण के उपाय -

1) बड़ी नदियों की सहायक नदियों पर बांध बनाकर।
2) नदियों के क्षेत्रों में सघन वृक्षारोपण द्वारा।
3) बाढ़ संभावित क्षेत्रों में बस्तियों के अतिक्रमण पर रोक लगाकर।

प्रश्न क्र. (प्रश्न (10) - उत्तर)

उपभोक्ता शोषण :- उपभोक्ता शोषण से आशय कम वजन तौलना, मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचना, नकली वस्तुएँ देना, पूर्ण सूचना न देने से है।

(प्रश्न (11) - उत्तर)

मृदा का महत्व

" मानव जीवन का इतिहास मिट्टी का इतिहास है, प्रत्येक व्यक्ति की शिक्षा मिट्टी से ही प्रारंभ होती है"
- विलकॉक्स

भारत मे मृदा का सर्वाधिक महत्व भारतीय कृषकों के लिए है, क्योंकि मृदा के बिना कृषि संभव नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, भोजन के लिए, मृदा पर ही निर्भर होता है। उद्योगों का संचालन भी अप्रत्यक्ष रूप से मृदा से ही होता है। जैसे - भेड़ हमें ऊन देती है और वह मिट्टी पर उगी घास खाती है। रेशम के कीड़े शहतूत पर जीते हैं।

इस प्रकार देश के आर्थिक, सामाजिक, व्यवसायिक क्षेत्रों की उन्नति का आधार मृदा ही है।

प्रश्न क्र.

(प्रश्न 11- उत्तर)

भारतीय शासकों में असंतोष के कारण - ब्रिटिश शासन के समय भारतीय शासकों मे असंतोष के निम्न कारण थे-

1) राजनैतिक व्यवस्था - अंग्रेजों की नीति विस्तारवादी थी, अंग्रेज भारतीय शासकों से उनकी स्वतंत्रता और रियासत छीनना चाहते थे।

2) लार्ड डलहौजी की "विलय नीति" और वेलेजली की "सहायक संधि" व्यवस्था के चलते उन्होंने राजस्थान, झाँसी, सतारा, नागपुर आदि स्थानो पर कब्जा कर लिया।

3) अवध, तंजौर और कर्नाटक के नवाबो की राजकीय उपाधियाँ समाप्त करना और मुगलशासकों के साथ अभद्रता-पूर्ण व्यवहार किया जाना, भारतीय शासकों मे असंतोष का कारण बना।

B
S
E

8 [ ] + [ ] = [ ]

प्रश्न क्र. (प्रश्न - उत्तर)

उग्र राष्ट्रवाद के उदय के कारण -

19 वीं शताब्दी के अंतिम दशक में निम्न कारणों से उग्र राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

1) उदारवादियों की कार्यप्रणाली के प्रति असंतोष -

उग्र राष्ट्रवादी, उदारराष्ट्रवादियों को कॉंग्रेस के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा मानते थे। उदारवादी अंग्रेजों के विरोध की अपेक्षा उनका समर्थन करते थे। अतः उग्र राष्ट्रवादियों को सामने आना पड़ा।

2) संवैधानिक मार्गों की विफलता -

उस समय अंग्रेजों द्वारा माँग की पूर्ति किए जाने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए। प्रार्थना-पत्र, हड़ताल, कामबन्द के पश्चात भी भारतीयों की इच्छाओं की पूर्ति नहीं हुई।

3) अंग्रेजों की आर्थिक नीति -

आर्थिक शोषण असंतोष को जन्म देता है। अंग्रेजों ने भारत द्वारा निर्यात माल पर विदेशों चुंगी की दर बढ़ा दी एवं विदेशों द्वारा आयात माल पर चुंगी की छूट दे दी। जिससे कि उद्योग-धंधों को गहरा धक्का लगा।

ऐसे अनेक कारणों से उग्र राष्ट्रवाद का जन्म हुआ।

प्रश्न क्र.

(प्रश्न (क)- उत्तर) (अथवा)

परिवहन के साधनों का महत्व -

परिवहन के साधनों के महत्व के आधार पर हम कह सकते हैं कि, परिवहन के साधन "मानव सभ्यता के पथ प्रदर्शक हैं। इसके प्रमुख लाभ निम्न हैं-

1) सड़क, जल तथा वायु परिवहन व्यापारियों के लिए दूरस्थ माल, किसानों व मंडी के लिए कृषि उपजें, औद्योगिक उपकरण आदि उपलब्ध कराते हैं, जिससे ~~व्याप~~ व्यापारिक उन्नति संभव हुई है।

2) परिवहन के तीव्रगामी साधन बहुत कम समय में यात्रियों एवं माल की ढुलाई संभव बनाते हैं।

3) ये साधन विश्वबंधुत्व की भावना के विकास एवं राष्ट्र की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

4) परिवहन के साधन बाढ़, भूकम्प, अतिवृष्टि आदि आपदाओं के समय वरदान स्वरूप सिद्ध होते हैं।

(10) [ ] + [ ] = [ ]

योग 10 के अंक

प्रश्न क्र. (प्रश्न (15) - उत्तर)

नागरिकों के मौलिक अधिकार - भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को छः मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। जो निम्नानुसार हैं।

1) स्वतंत्रता का अधिकार - भारतीयों को देश में कहीं भी रहने, बसने या घूमने की, संवैधानिक सभाओं के आयोजन आदि की स्वतंत्रताएँ हैं।

२) समानता का अधिकार - सरकार द्वारा लोगों में जाति, वर्ण, संप्रदाय आदि के आधार पर कभी भेदभाव नहीं किया जाता, अतः नागरिकों को समानता का अधिकार है।

3) शोषण के विरुद्ध अधिकार - इस अधिकार के अन्तर्गत देश के किसी भी व्यक्ति के साथ शोषण करने पर उसके द्वारा शिकायत की जा सकती है। अपराधियों को उचित दण्ड का प्रावधान है।

4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार - भारतीयों के अपने धर्म के अनुसार पूजा, उपासना का अधिकार है। सभी को उपासना की स्वतंत्रता है।

5) संस्कृति व शिक्षा का अधिकार - भारत के प्रत्येक नागरिक को समान रूप से शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार प्राप्त है।

6) संवैधानिक उपचारों का अधिकार - यदि उपरोक्त अधिकारों में से किसी भी अधिकार की उपेक्षा की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति को उसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में शिकायत दर्ज कराने की स्वतंत्रता होती है।

(प्रश्न (16)- उत्तर)

पूंजीवाद - प्रो. जॉन स्ट्रेची के अनुसार - " पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में कारखानों एवं खेती पर निजी स्वामित्व होता है। इसमें संसार प्रेम या स्नेह से नहीं, अपितु लाभ के उद्देश्य से कार्य करता है।"

विशेषताएँ

1) उत्पत्ति के साधनों पर व्यक्तिगत स्वामित्व - इस आर्थिक प्रणाली में उत्पत्ति के साधनों पर व्यक्तिगत स्वामित्व होने के कारण व्यक्ति अपनी इच्छानुसार उत्पादन एवं विक्रय कर सकता है।

2) आर्थिक स्वतंत्रता - पूँजीवाद में प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छानुसार व्यवसाय चुनने एवं उसमें विनियोग की स्वतंत्रता रहती है। जिससे उत्पादन और आयप्राप्ति अधिक होती है।

3) लाभ की भावना - लाभ की भावना होना पूँजीवादी व्यवस्था का प्रमुख आधार है। लाभ को पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का "हृदय" कहा जाता है।

4) प्रतियोगिता - पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के होने के

प्रश्न क्र.

कारण सभी लोग निरंतर प्रतियोगिता में हो रहते हैं, जिससे वस्तुओं के मूल्य कम हैं और महँगाई की समस्या उत्पन्न नहीं होती।

(प्रश्न (17)-उत्तर)

भारतीय संविधान की विशेषताएँ - भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा एवं विस्तृत संविधान है।

1) लिखित एवं विस्तृत - भारतीय संविधान लिखित एवं विस्तृत है। भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियाँ हैं, जो 22 भागों में विभाजित हैं। जबकि अमेरिका में 7 एवं कनाडा में 147 अनुच्छेद ही हैं।

2) कठोर एवं लचीले का सम्मिश्रण - भारतीय संविधान में कठोर एवं लचीले का सम्मिश्रण होता है। संविधान में संशोधन की प्रक्रिया के आधार पर हम उसे कठोर एवं लचीला कह सकते हैं। संविधान को बदला नहीं जा सकता है।

3) संसदात्मक प्रणाली - भारतीय संविधान में संसदात्मक प्रणाली अपनाई गई है। इसमें कार्यपालिका की समस्त शक्तियाँ मंत्रिपरिषद में निहित होती हैं एवं राष्ट्रपति

प्रश्न क्र. नाममात्र का शासक होता है। मंत्रीपरिषद व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

4) संघात्मक शासन व्यवस्था - भारतीय संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत राज्यों का एक संघ है। संविधान ने शासन की शक्तियों का एक स्थान पर केन्द्रीकरण न कर, शक्तियों का संघ और राज्य सरकारों के मध्य विभाजन किया है।

P.T.O

प्रश्न क्र. (प्रश्न (10) का उत्तर)

रबी और खरीफ की फसलों में अंतर - खरीफ और रबी की फसलों में मुख्यतः निम्नलिखित अंतर हैं-

क्र.	खरीफ की फसलें	क्र.	रबी की फसलें
1)	ये फसलें ~~शरद~~ वर्षा ऋतु के आरंभ में बोई जाती हैं।	1)	ये फसलें शरद ऋतु के आरंभ में बोई जाती हैं।
2)	ये फसलें जून-जुलाई माह में लगाई जाती हैं।	2)	ये फसलें अक्टूबर-नवंबर में लगाई या बोई जाती हैं।
3)	इन फसलों को पकने में कम समय लगता है।	3)	इन फसलों को पकने में अधिक समय लगता है।
4)	इन खरीफ की फसलें सितंबर - अक्टूबर में पककर तैयार हो जाती हैं।	4)	रबी की फसलें मार्च-अप्रैल माह तक पककर तैयार होती हैं।
5)	खरीफ की फसलों के अंतर्गत चावल, ज्वार बाजरा, मक्का आदि आते हैं।	5)	रबी की फसलों में गेहूँ, जौ, चना, सरसों आदि सम्मिलित हैं।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(प्रश्न क्र. 17-)

जनसंख्या वृद्धि रोकने के उपाय - जनसंख्या विस्फोट की समस्या वर्तमान में हमारे समक्ष एक गंभीर समस्या के रूप में उपस्थित है। इसे रोकने के लिए निम्न उपाय करना आवश्यक हैं-

1) परिवार नियोजन केन्द्र स्थापित किए जाएँ एवं इनका प्रचार प्रसार किया जाए।
2) प्रत्येक गाँव या शहर में परिवार नियोजन केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए।
3) महिला शिक्षा के विकास में वृद्धि होनी चाहिए।
4) टीकाकरण की व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए।
5) बुनियादी प्रजनन सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए।
6) भारत में दो बच्चों के परिवार को आदर्श माना गया है।
7) लोगों को शिक्षित किया जाए, जिससे वे जनसंख्या वृद्धि से होने वाली हानियों को समझ सकें, एवं इस दिशा में सतर्क और जागरूक रहें।

P.T.O

प्रश्न क्र.

(प्रश्न (२०) - उत्तर)

राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकार

1) राष्ट्रपति बाह्य आक्रमण की स्थिति में, आंतरिक उपद्रव की आशंका, राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल होने या वित्तीय संकट में ~~वित्तीय~~ आपातकाल की घोषणा कर सकता है। राष्ट्रपति, मंत्रीमण्डल के परामर्श पर आपातकाल लागू कर सकता है। ऐसी किसी भी अधिसूचना पर दो माह के भीतर दोनों सदनों की पुष्टि अनिवार्य है। इस स्थिति में संपूर्ण राष्ट्र या संबंधित राज्य की विधि निर्माण की शक्ति संसद को प्राप्त हो जाती है।

2) राज्यपाल के प्रतिवेदन या अन्य किसी तरीके से राष्ट्रपति को यदि यह आभास हो जाता है कि राज्य का शासन संवैधानिक कानून से नहीं चलाया जा रहा है, तो राष्ट्रपति उस राज्य में आपातकाल लागू कर सकता है, इसमें मंत्रीमंडल की स्वीकृति अनिवार्य है। इसे आम बोलचाल की भाषा में "राष्ट्रपति शासन" भी कहते हैं। राष्ट्रपति शासन संचालन राज्यपाल के लिए भी सौंप सकते हैं। व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

3) देश या किसी राज्य में आर्थिक समस्या उत्पन्न होने पर, अर्थिक प्रणाली में बाधा आने पर राष्ट्रपति देश या संबंधित राज्य में वित्तीय संकटकाल की घोषणा कर सकता है।

B
S
E

क्र.

(प्रश्न (21) - उत्तर) (अथवा)

सविनय अवज्ञा आंदोलन - सन 1929 में कॉंग्रेस का 44 वां अधिवेशन लाहौर में प्रारंभ हुआ। इस अधिवेशन में 'पूर्ण स्वाधीनता' के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई थी। परन्तु तत्कालीन समय के अधिकारी लार्ड इरविन ने पूर्ण स्वाधीनता के प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया, परन्तु गाँधीजी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। उन्होंने 30 जनवरी 1931 को लार्ड इरविन के समक्ष 11 माँगें प्रस्तुत कीं और यह घोषित किया कि माँगे पूरी न होने पर "सविनय अवज्ञा आंदोलन" आरंभ किया जाएगा।

गाँधी जी की माँगें - गाँधी जी चाहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाए, भू-राजस्व कम करे, पूर्ण नशाबन्दी लागू हो, बन्दूकों को रखने का लायसेंस दिया जाए, हिंसा से दूर रहने वाले राजनैतिक बंदी छोड़े जाएँ, विदेशी वस्त्रों के आयात पर नियंत्रण स्थापित हो एवं सैनिक व्यय में 50% की कमी हो। लार्ड इरविन ने इस माँगों को अस्वीकार कर दिया।

योजना अनुरूप महात्मा गांधी ने 6 अप्रैल 1930 को नमक कानून तोड़कर, "सविनय अवज्ञा आंदोलन" प्रारंभ किया।

प्रश्न क्र. (प्रश्न(22)- उत्तर) (अथवा)

मौसमी दशाएं	संकेत
1) कुहार	,
2) ओला	△
3) कुहासा	═
4) धीर समीर	\\ →
5) झंझा	← ////

BSE

(प्रश्न (23) - उत्तर)

भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की स्थापना के कारण -

भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की स्थापना मुंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में २४ दिसंबर 1885 में हुई। इसकी स्थापना के प्रमुख कारण निम्न हैं-

1) ह्यूम और उसके साथियों ने अंग्रेज सरकार के इशारे पर ब्रिटिश साम्राज्य के सुरक्षा कवच के रूप में की।

2) ह्यूम नहीं चाहते थे कि जनता ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध हिंसा का मार्ग अपनाए, वे जनता को वैधानिक मार्ग की ओर लाना चाहते थे।

3) इसका उद्देश्य देश विकास कार्य और उन्नति में लगे सभी व्यक्तियों के मध्य मित्रतापूर्ण संबन्ध स्थापित करना था।

4) व्योमेशचन्द्र बनर्जी ने कहा है कि, देश की सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद, क्षेत्रवाद आदि को दूर करके एकता की भावना का विकास करने के लिए कॉंग्रेस की स्थापना की गई।

5) जनता और ब्रिटिश सरकार के मध्य की खाई को भरने के लिए "अखिलभारतीय कॉंग्रेस" की स्थापना हुई। जिसके प्रथम अधिवेशन "व्योमेश चन्द्र बनर्जी" को अधिवेशन का अध्यक्ष बनाया गया।

प्रश्न क्र. (प्रश्न (२५) - उत्तर) (अथवा)

व्यवस्थापिका के कार्य -

1) कानून का निर्माण - व्यवस्थापिका देश की सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक, ~~वैधि~~ वैदेशिक आदि नीतियों पर कानून का निर्माण कर सकती है।

2) संविधान संशोधन - व्यवस्थापिका के दोनों सदन परस्पर ~~सम्मति~~ सहमति से आवश्यकता होने पर संविधान में आवश्यक संशोधन कर सकती है।

3) प्रशासनिक कार्य - व्यवस्थापिका प्रश्न पूछकर समस्त मंत्रीमण्डल पर नियंत्रण रखती है। मंत्रीपरिषद सामूहिक रूप से व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

4) राज्यों की नीति निर्धारण - राज्यों के लिए नीतियों का निर्धारण करना व्यवस्थापिका के कार्य हैं। राज्यसभा अपनी शक्ति द्वारा राज्य के विषयों राष्ट्रीय महत्व का घोषित करके कानून बना सकती है।

5) न्यायिक व्यवस्था - अनेक देशो में न्यायिक व्यवस्था व्यवस्थापिका के हाथों में होती है। राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर महाभियोग व्यवस्थापिका द्वारा लगाया जाता है।

विदेश नीति पर नियंत्रण - व्यवस्थापिका विदेश नीति का निर्धारण भी करती है। विदेशों से युद्ध के लिए इसकी स्वीकृति अनिवार्य है।

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
विज्ञान	3 0 0	हिन्दी	08 03 2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

9	2	4	5	0			

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक के अंक

H. S. 2019

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

08-03-19

अन्तर्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक.....तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न (25)- उत्तर)

उदारवादी और राष्ट्रवादियों की कार्यविधि में अंतर -

1) उदारवादी अंग्रेजों के पक्ष में रहकर आर्थिक सुधार करना चाहते थे, जबकि उग्र राष्ट्रवादी सोचते थे कि वैधानिक मार्गों द्वारा भारतीयों की आर्थिक उन्नति नहीं हो सकती।

2) उदारवादी अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष की भावना न रखकर उनके प्रति स्नेह की भावना रखते थे, जबकि उग्र राष्ट्रवादी संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहते थे।

3) उदारवादी प्रार्थना पत्रों, जैसे संवैधानिक तरीकों से अपनी मांगों की पूर्ति करवाने के पक्ष में थे, जबकि बाल गंगाधर तिलक का कथन था - "स्वतंत्रता भारतीयों को चाँदी की थाली में रखी हुई, नहीं मिलेगी।"

प्रश्न क्र.

4) उदारवादियों के प्रति अंग्रेजों का रूख उदार था जबकि उग्र राष्ट्रवादी अनेकों बार अंग्रेजों के दमन का शिकार बने हैं।

5) अंग्रेजों द्वारा उदारवादियों को कभी जेल नहीं भेजा गया, जबकि बालगंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय आदि अनेक बार जेल यात्रा कर चुके थे।

6) उदारवादी सोचते थे कि अंग्रेजों के विरुद्ध हिंसा करने से सरकार दमन चक्र अपनाएगी परन्तु उग्र-राष्ट्रवादी इसके विरुद्ध थे।

(प्रश्न (26)- उत्तर)

बेरोजगारी - "बेरोजगारी से आशय उस स्थिति से है, जब व्यक्ति वर्तमान मजदूरी दर पर कार्य करने को तैयार रहते हैं, परन्तु उन्हें कार्य नहीं मिल पाता।"

दूर करने के उपाय

1) जनसंख्या पर नियंत्रण

जनसंख्या बढ़ने के कारण श्रम की पूर्ति पर्याप्त मात्रा में होने से शेष व्यक्ति बेरोजगार बैठे रहते हैं। जनसंख्या पर नियंत्रण रखने से जनसंख्या के अनुकूल रोजगार उपलब्ध होने से बेरोजगारी की समस्या को कम किया जा सकता है।

प्रश्न क्र.

2) लघु उद्यो ... विकास

भारत में उद्योगों का विकास तो हुआ है परन्तु इसमें क्षेत्रीय विषमताएँ पाई जाती हैं। जिन उद्योगों में मशीनीकरण का प्रभाव बढ़ा है, वहाँ श्रमिकों की आवश्यकता नहीं है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्योगों का विकास करके बेरोजगारी दूर की जा सकती है।

3) कृषि उन्नति - जिन क्षेत्रों में कृषि का विकास पर्याप्त मात्रा में नहीं हुआ है उन क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या है। कृषि क्षेत्रों में विकास करके एवं कृषि मूल्य संवर्द्धन योजनाओं को विकसित करके बेरोजगारी को रोक सकते हैं।

4) व्यवसायिक शिक्षा पर जोर - बेरोजगारी को दूर करने के लिए छात्रों में हाईस्कूल पास करने के बाद व्यवसायिक शिक्षा पर जोर देना चाहिए जिससे कि सभी व्यक्ति योग्यता प्राप्त कर सकें।

5) सहायक और कुटीर उद्योगों का विकास - ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के अलावा दुग्ध उत्पादन, डेयरी व्यवसाय, मधु-पालन, खिलौने निर्माण जैसे कुटीर उद्योगों का विकास किया जाना आवश्यक है।

उपरोक्त उपायों द्वारा देश की बेरोजगारी को ...रने के प्रयास किए जा सकते हैं।